८. अपनी गंध नहीं बेचूँगा

– बालकवि बैरागी

चाहे सभी सुमन बिक जाएँ चाहे ये उपवन बिक जाएँ
चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा
अपनी गंध नहीं बेचूँगा ।।

जिस डाली ने गोद खिलाया जिस कोंपल ने दी अरुणाई
लछमन जैसी चौकी देकर जिन काँटों ने जान बचाई
इनको पहिला हक आता है चाहे मुझको नोचें-तोड़ें
चाहे जिस मालिन से मेरी पँखुरियों के रिश्ते जोड़ें
ओ मुझपर मँड़राने वालो मेरा मोल लगाने वालो
जो मेरा संस्कार बन गई वो सौगंध नहीं बेचूँगा ।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा ।।

मौसम से क्या लेना मुझको ये तो आएगा-जाएगा
दाता होगा तो दे देगा खाता होगा तो खाएगा ।
कोमल भँवरों के सुर सरगम पतझरों का रोना-धोना
मुझपर क्या अंतर लाएगा पिचकारी का जादू-टोना
ओ नीलाम लगाने वालो पल-पल दाम बढ़ाने वालो
मैंने जो कर लिया स्वयं से वो अनुबंध नहीं बेचूँगा ।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा ।।

मुझको मेरा अंत पता है पँखुरी-पँखुरी झर जाऊँगा
लेकिन पहिले पवन परी संग एक-एक के घर जाऊँगा
भूल-चूक की माफी लेगी सबसे मेरी गंध कुमारी
उस दिन ये मंडी समझेगी किसको कहते हैं खुद्दारी
बिकने से बेहतर मर जाऊँ अपनी माटी में झर जाऊँ
मन ने तन पर लगा दिया जो वो प्रतिबंध नहीं बेचूँगा ।

(‘अपनी गंध नहीं बेचूँगा’ से)

—— ० ——

परिचय

जन्म : १९३१, मंदसौर (म.प्र.)
मृत्यु : २०१८, मंदसौर (म.प्र.)
परिचय : जीवन के आरंभिक दिनों से ही संघर्ष को साथी बना, उन्हीं हालातों से प्रेरणा लेकर नंदरामदास बैरागी कविता के क्षेत्र में बालकवि बैरागी के रूप में प्रतिष्ठित हुए ।

आप साहित्य के साथ-साथ राजनीति में भी सक्रिय हैं । आपकी रचनाएँ ओजगुण संपन्न हैं । आपके जीवन का संघर्ष जोश, ओज, हौसला और प्रेरणा शब्द रूप में कविताओं में ढल गए। आपने बच्चों के लिए भी बहुत सारे गीत लिखे हैं ।

प्रमुख कृतियाँ : ‘गौरव-गीत’, ‘दरद दीवानी’ (काव्यसंग्रह) आदि ।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गीत में गीतकार ने फूल के स्वभाव की विशेषताएँ बताते हुए कहा है कि किसी भी परिस्थिति में फूल अपनी गंध नहीं बेचता । फूल के इस स्वाभिमान को मनुष्य को भी अपनाना चाहिए ।

शब्द संसार

गंध स्त्री.सं.(सं.) = महक, बास

कोंपल स्त्री.सं.(सं.) = नई कोमल पत्तियाँ

अरुणाई स्त्री.वि.(सं.) = लालिमा, लाली

अनुबंध पुं.सं.(सं.) = समझौता, प्रतिज्ञा पत्र

प्रतिबंध पुं.सं.(सं.) = रुकावट, विघ्न

स्वाध्याय

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

फूल बेचना नहीं चाहता

१. ________

२. ________

३. ________

४. ________

(२) लिखिए :

१. फूल को बिक जाने से भी बेहतर लगता है ------------------ ।

२. फूल के अनुसार उसे तोड़ने का पहला अधिकार इन्हें हैं ------------------ ।

(३) कृति पूर्ण कीजिए :

अंत पता होने पर भी फूल की अभिलाषा

(४) सूची बनाइए :

इनका फूल से संबंध है –

____

____

____

____

____

____

(५) कारण लिखिए :

१. फूल अपनी सौगंध नहीं बेचेगा --------------------------

२. फूल को मौसम से कुछ लेना नहीं है --------------------------

(६) 'दाता होगा तो दे देगा, खाता होगा तो खाएगा' इस पंक्ति से स्पष्ट होने वाला अर्थ लिखिए ।

(७) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए :

१. रचनाकार का नाम

२. रचना का प्रकार

३. पसंदीदा पंक्ति

४. पसंदीदा होने का कारण

५. रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा

C49HVB